अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं – जैन धर्म कोविद (परीक्षा 20 जुलाई, 2014)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8	कुल योग
प्राप्तांक									
पूर्णांक	10	10	10	10	24	09	15	12	100
पुनः जाँच									

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) निश्चय से जीव के भेद होते हैं -

(क) 563 (ख) 14

(ग) 01 (घ) उपर्युक्त सभी ( )

(b) अपर्याप्त वनस्पति के कुल कितने भेद हैं -

(क) 03 (ख) 06

(ग) 09 (घ) 12 ( )

(c) संसारी जीव सिद्धों से हैं -

(क) अनंत भाग अधिक (ख) अनंत भाग कम

(ग) अनंत गुण अधिक (घ) अनंत गुण कम ( )

(d) कर्मों की 148 प्रकृतियों में से कितनी बंध योग्य हैं -

(क) 148 (ख) 120

(ग) 28 (घ) 08 ( )

(e) शुक्ल ध्यान का तीसरा भेद कौनसे गुणस्थान में होता है -

(क) 11, 12वें में (ख) 8-10 वें में

(ग) 13वें में (घ) 14वें में ( )

(f) निम्न में से वैयावच्च का अधिकारी कौन हैं -

(क) कुल (ख) गण

(ग) संघ (घ) उपर्युक्त सभी ( )

(g) 'गोपन करना' निम्न में से किसका अर्थ है -

(क) प्रतिसेवना का (ख) प्रायश्चित्त का

(ग) प्रतिसंलीनता का (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

(h) स्त्री के लिए कितने कवल प्रमाण आहार बताया गया है -

(क) 24 (ख) 28

(ग) 32 (घ) 18 ( )

(i) यावत्कथिक अनशन के कितने भेद हैं -

(क) 02 (ख) 03

(ग) 04 (घ) 06 ( )

(j) प्रशस्तकाय विनय के कितने भेद हैं -

(क) 07 (ख) 02

(ग) 06 (घ) 05 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) संवर से सिर्फ अशुभ कर्म रूकते हैं, शुभ नहीं। ( )

(b) अजीव तत्त्व सिर्फ रूपी होता है। ( )

(c) एक पर्याप्त के नेश्राय में असंख्य अपर्याप्त उत्पन्न होते हैं। ( )

(d) एक औदारिक शरीर में एक से अधिक जीव नहीं रह सकते हैं। ( )

(e) कुछ पक्षी ऐसे भी होते हैं, जिनके पंख हमेशा खुले रहते हैं। ( )

(f) अकर्मभूमि में विवाह नहीं होते हैं। ( )

(g) धर्मरूचि अणगार ने धर्म भावना भाई थी। ( )

(h) कायोत्सर्ग करना एक प्रकार का प्रायश्चित्त है। ( )

(i) गुरू के समीप रहना एक प्रकार का विनय है। ( )

(j) ऊँचे स्वर से चिल्लाना रौद्रध्यान है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरा संठाण सूई की भारी के समान है। .....

(b) मैं ढाईद्वीप के बाहर छाती से चलने वाला सर्प हूँ। .....

(c) मैं दुःख उपजाने से लगने वाली क्रिया हूँ। .....

(d) मैंनें संसार भावना भाई थी। .....

(e) मैं एक साथ पूरा प्रायश्चित्त लेने में असमर्थ हूँ। .....

(f) मैं आलोचना करने के बाद पश्चात्ताप नहीं करने वाला हूँ। .....

(g) मेरा अर्थ 'त्याग' है। .....

(h) मेरे द्वारा शरीर से आत्मा को भिन्न समझा जाता है। .....

(i) मैं मन को एक ही विषय पर केन्द्रित रखता हूँ। .....

(j) मेरा नाम 'वृत्ति संक्षेप' भी है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a)	रात्रि-भोजन करना	-	49 वाँ अनाचीर्ण	.....
(b)	मर्दन करना	-	15 वाँ अनाचीर्ण	.....
(c)	काला नमक लेना	-	कीयगडं	.....
(d)	आँख में काजल लगाना	-	संपुच्छणा	.....
(e)	दाँतों को धोना	-	14 वाँ अनाचीर्ण	.....
(f)	साधु के लिए खरीदा गया	-	धूवणे	.....
(g)	गृहस्थ से सावद्य प्रश्न करना	-	गायब्भंग	.....
(h)	सावद्य चिकित्सा करना	-	5 वाँ अनाचीर्ण	.....
(i)	धूप करना	-	तेगिच्छं	.....
(j)	मालिश करना	-	44 वाँ अनाचीर्ण	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :- **12x2 = (24)**

(a) **निदान किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(b) **भिक्षु प्रतिमा के पालन का विस्तृत वर्णन कौनसे आगम में हैं ?**

.....

.....

(c) **द्वारिका के विनाश का कारण कौन-कौन बने ?**

.....

.....

(d) **सण्णपया स्थलचर के कोई से दो उदाहरण दीजिए।**

.....

.....

(e) **पुद्गलास्तिकाय के चार भेद कौनसे हैं ?**

.....

.....

(f) **5,6,7,8 वीं क्रियाओं के नाम लिखिए।**

.....

.....

(g) **रसपरित्याग के 9 भेदों में 'पंताहारे' का क्या अर्थ है ?**

.....

.....

(h) **प्रायश्चित्त के 10 भेदों में 'अनवस्थाप्पार्ह' का क्या अर्थ है ?**

.....

.....

(i) **अनाचीर्ण का क्या अर्थ है ?**

.....

.....

(j) **उत्तम समाधि वाले साधु कौन होते हैं ?**

.....

.....

(k) **लवण कितने प्रकार के होते हैं ?कोई चार लवणों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(l) **अन्तिम चार अनाचीर्ण लिखिए।**

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए :- (कोई तीन) 3x3=(9)

(a) **कोई से तीन प्रकार के निदान लिखिए।**

.....

.....

.....

(b) **भिक्षु प्रतिमा आराधन के प्रथम तीन नियम लिखिए।**

.....

.....

.....

(c) **साधुओं को राजपिण्ड लेना निषिद्ध है, फिर मुनिराजों ने देवकी महारानी के यहाँ से मोदक कैसे ग्रहण किये ?**

.....

.....

.....

(d) **क्या द्वारिका नगरी वैक्रिय पुद्गलों से बनाई गई थी ? हाँ अथवा ना को स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

प्र.7 निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति करके उनका हिन्दी भावार्थ लिखिए :- (कोई पाँच) 5x3=(15)

(a) **मन्दार** .....

.....

.....

..... **ततिर्वा।**

(b) **कल्पान्त काल** .....

.....

.....

..... **शमयत्यशेषम्।**

(c) **आपाद** .....

.....

.....

..... **भवन्ति।**

(d) **स्तोत्रस्त्रजं** .....

.....

.....

..... **लक्ष्मीः।**

(e) **रक्तेक्षणं** .....

.....

.....

..... **यस्य पुंसः।**

(f) **इत्थं यथा** .....

.....

.....

..... **विकाशिनोऽपि।**

प्र.8 निम्न को पूर्ण करके उनका अर्थ लिखिए :- (कोई चार) **4x3 = (12)**

(a) **संजमे** .....

.....

.....

..... **महेसिणं।**

(b) **सव्वमेय मणाइण्णं** .....

.....

.....

..... **लहुभूयविहारिणं।**

(c) **पंचासव** .....

.....

.....

..... **उज्जुदंसिणो।**

(d) **दुक्कराइं .....**

.....

.....

..... नीरया।

(e) **खवित्ता .....**

.....

.....

..... परिनिव्वुडे।